संस्कृत साहित्य

परास्नातक

एम0ए0 पाठ्यक्रम

संस्कृत साहित्य

एम0ए0 संस्कृत साहित्य पाठ्यक्रम (सेमेस्टर एवं क्रेडिट पद्धति) के अन्तर्गत कुल 17 प्रश्नपत्र 100–100 अंकों के निर्धारित किए गये हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 4 क्रेडिट निर्धारित है। अतः 68 क्रेडिट में पाठ्यक्रम का निर्धारण किया गया है। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 45 व्याख्यान निर्धारित किए गये हैं।

संस्कृत–विभाग
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर		क्रेडिट
प्रथम प्रश्नपत्र **SNM-101**	वैदिक साहित्य	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **SNM-102**	भाषा विज्ञान	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **SNM-103**	भारतीय दर्शन	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **SNM-104**	साहित्य एवं आधुनिक विश्व	4

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र **SNM-201**	वैदिक साहित्य	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **SNM-202**	भाषा विज्ञान	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **SNM-203**	भारतीय दर्शन	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **SNM-204**	निबन्ध, अनुवाद, अपठित	4

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र **SNM-301**	संस्कृत काव्य परम्परा परिचय	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **SNM-302**	काव्य	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **SNM-303**	भारतीय दर्शन	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **SNM-304**	व्याकरण	4

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र **SNM-401**	काव्यशास्त्र	4
द्वितीय प्रश्न प्रत्र **SNM-402**	भारतीय संस्कृति	4
तृतीय प्रश्न–पत्र **SNM-403**	इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास	4
चतुर्थ प्रश्न पत्र **SNM-404**	व्याकरण	4
पंचम प्रश्न पत्र **SNM-405**	मौखिकी	4

प्रथम सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-101

क्रेडिट–4

प्रथम प्रश्न पत्र – (वैदिक साहित्य) **पूर्णाङ्क–100**

इकाई–1	वैदिक सूक्त	36 अङ्क
	विश्वेदेवा सूक्त (ऋ 1/89), विष्णुसूक्त (ऋ 1/154), इन्द्रसूक्त (ऋ 2/12), वरुणसूक्त (ऋ 7/86), (हिन्दी में अनुवाद एवं उक्त सूक्तों का हिन्दी में सारांश –	
इकाई–2	ऋग्वेद का काल निर्धारण, स्वरूप एवं वर्ण्यविषय	12 अङ्क
इकाई–3	सामवेद का परिचय एवं विषय	12 अङ्क
इकाई–4	निरुक्तम् (प्रथम अध्याय पाद 1 से 3 तक)	20 अङ्क
इकाई–5	निरुक्त पर आधारित प्रश्न (निरुक्त का सामान्य परिचय एवं वर्ण्यविषय)	10 अङ्क
	उपर्युक्त पाठ्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	10 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1. वेदचयनम्–	डॉ0 विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
2. वैदिक साहित्य का इतिहास	डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी
3. निरुक्त (प्रथम अध्याय)	आचार्य विश्वेश्वर।
4. वैदिक साहित्य का इतिहास	बलदेव उपाध्याय

प्रथम सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-102

क्रेडिट–4

द्वितीय प्रश्न पत्र –(भाषा विज्ञान) **पूर्णाङ्क–100**

इकाई–1	भाषा–विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, विविध विषयों से सम्बद्ध।	18 अङ्क
इकाई–2	भाषा–विज्ञान का क्षेत्र, भाषा की विशेषतायें, अध्ययन के अङ्ग और उनकी उपयोगिता।	18 अङ्क
इकाई–3	भाषा की उत्पत्ति, वर्गीकरण–आकृतिमूलक एवं पारिवारिक ।	18 अङ्क
इकाई–4	आकृतिमूलक एवं पारिवारिक भाषा वर्ग का परिचय	18 अङ्क
इकाई–5	मध्यकालीन आर्य भाषाओं का परिचय एवं विशेषताएँ	18 अङ्क
	उपर्युक्त पाठ्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	10 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1. भाषा–विज्ञान–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. भाषा–विज्ञान–	प्रो0 बाबूराम सक्सेना
3. भाषा–विज्ञान–	डॉ0 कपिल देव द्विवेदी
4. भाषा–विज्ञान की रूपरेखा	प्रो0 योगेश चन्द्र दुबे

प्रथम सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-103

क्रेडिट–4

तृतीय प्रश्न पत्र –(भारतीय दर्शन) **पूर्णाङ्क–100**

इकाई–1	दर्शन का अभिप्राय, उपयोग एवं व्यापकता।	18 अङ्क
इकाई–2	दार्शनिक सम्प्रदाय (आस्तिक एवं नास्तिक)	18 अङ्क
इकाई–3	भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय (आस्तिक एवं नास्तिक)	18 अङ्क
इकाई–4	भारतीय दर्शन की विशेषतायें एवं विषय (जीव, ब्रह्म, अज्ञान, मुक्ति)	18 अङ्क
इकाई–5	पातञ्जल योग (प्रथम पाद)	
	(सूत्रों की व्याख्या एवं विवेचनात्मक प्रश्न)	18 अङ्क
	उपर्युक्त पाठ्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	10 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1	भारतीय दर्शन का इतिहास	जे0एन0 सिन्हा– कलकत्ता
2	भारतीय दार्शनिक परम्पराएं	पी0टी0 राजू– दिल्ली
3	पातञ्जल योग प्रदीप (प्रथम पाद)	गीताप्रेस गोरखपुर।

प्रथम सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-104

क्रेडिट–4

चतुर्थ प्रश्न पत्र – (साहित्य एवं आधुनिक विश्व) **पूर्णाङ्क–100**

इकाई–1	काव्यप्रकाशः– साहित्यशास्त्र के आचार्यो का परिचय भरतमुनि, भामह, क्षेमेन्द्र, वामन, आनन्दवर्धन, कुन्तक एवं मम्मट)	18 अङ्क
इकाई–2	काव्यशास्त्र का काल विभाग, ग्रन्थ का लक्षण शब्दशक्ति– अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना	18 अङ्क
इकाई–3	संस्कृत साहित्य में जीवन मूल्य	18 अङ्क
इकाई–4	संस्कृत साहित्य में समाज	18 अङ्क
इकाई–5	कालिदास का भारतीय साहित्य तथा विश्व साहित्य पर प्रभाव	18 अङ्क
	उपर्युक्त पाठ्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	10 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1	काव्यप्रकाश	आचार्य विश्वेश्वर– वाराणसी।
2	सूक्तिसुधा	डॉ0 योगेश चन्द्र दुबे– ग्रामोदय प्रकाशन, चित्रकूट।
3	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना	डॉ0 हरिनारायण दीक्षित।
4	सस्कृत और राष्ट्र	डॉ0 राधाबल्लभ त्रिपाठी।

द्वितीय सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-201

क्रेडिट–4

प्रथम प्रश्न पत्र – (वैदिक साहित्य) **पूर्णाङ्क–100**

इकाई–1	वैदिक सूक्त (मंत्रो का हिन्दी में अनुवाद)	32 अङ्क
	पुरुषसूक्त (ऋ 10/90), प्रजापतिसूक्त (ऋ 10/121) वाक्सूक्त (ऋ 10/125), (शिवसंकल्पसूक्त यजु0 34/1–6),	
इकाई–2	वैदिक देवों का संक्षिप्त परिचय–	14 अङ्क
इकाई–3	यजुर्वेद	14 अङ्क
	(सामान्य परिचय, स्वरूप एवं वर्ण्यविषय)	
इकाई–4	अथर्ववेद का परिचय एवं वर्ण्यविषय	20 अङ्क
इकाई–5	निरुक्तम् (प्रथम अध्याय पाद 4 से 6 तक)	
	(गद्यांशों का हिन्दी में व्याख्या)	
	निरुक्त पर आधारित प्रश्न	
	(निरुक्त का महत्त्व एवं भाषा–शैली)	10 अङ्क
	उपर्युक्त पाठ्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	10 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1	वेदचयनम्	डॉ0 विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
2	वैदिक साहित्य का इतिहास	डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी
3	निरुक्त (प्रथम अध्याय)	आचार्य विश्वेश्वर
4	वैदिक साहित्य का इतिहास	बलदेव उपाध्याय

द्वितीय सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-202

क्रेडिट–4

द्वितीय प्रश्न पत्र – (भाषा विज्ञान) **पूर्णाङ्क–100**

इकाई–1	पालिप्राकृतअपभ्रंशसंग्रह से ससजातकम्, जवसकुण्जातकम्, णाणपंचमी कहाओ, (महाराष्ट्री प्राकृत)	18 अङ्क
इकाई–2	उत्तररामचरितम् षष्ठो अङ्कः (शौरसेनी प्राकृत) मृच्छकटिकम्–षष्ठो अङ्कः, (मागधी प्राकृत) अपभ्रंश मुक्तक संग्रहः।	18 अङ्क
इकाई–3	ध्वनियन्त्र एवं उच्चारण स्थान, ध्वनिपरिवर्तन की दिशा और कारण	18 अङ्क
इकाई–4	ध्वनियन्त्र एवं ध्वनिग्राम, बलाघात के प्रकार एवं ध्वनि से सम्बन्ध।	18 अङ्क
इकाई–5	अर्थपरिवर्तन एवं भाषा परिवर्तन का अभिप्राय, परिवर्तन की दिशायें और कारण।	18 अङ्क
	उपर्युक्त पाठ्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	10 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1	पालिप्राकृतअपभ्रंशसंग्रह	डॉ0 राम अवध पाण्डेय।
2	भाषा–विज्ञान	डॉ0 भोला नाथ तिवारी
3	भाषा–विज्ञान	डॉ0 बाबू राम सक्सेना
4	भाषा–विज्ञान की रूपरेखा	प्रो0 योगेश चन्द्र दुबे

द्वितीय सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-203

क्रेडिट–4

तृतीय प्रश्न पत्र – (भारतीय दर्शन) **पूर्णाङ्क–100**

इकाई–1	वेदान्तसार	
	(अज्ञान विवेचन पर्यन्त)	18 अङ्क
इकाई–2	सांख्यकारिका	
	सांख्यतत्त्वकौमुदीसहित (01 से 23 कारिकापर्यन्त)	18 अङ्क
इकाई–3	तर्कभाषा	18 अङ्क
	प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द प्रमाण।	
इकाई–4	तर्कसंग्रह (प्रत्यक्ष खण्ड पर्यन्त)	18 अङ्क
इकाई–5	गीता (कर्म योग एवं भक्ति योग)	18 अङ्क
	उपर्युक्त पाठ्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	10 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1	वेदान्तसार	डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र।
2	सांख्यतत्वकौमुदी प्रभा	डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र।
3	तर्कभाषा	केशव मिश्र।
4	श्रीमद्भगवद्गीता	स्वामिरामसुखदास, गीताप्रेस गोरखपुर।

द्वितीय सेमेस्टर
एम0ए0–संस्कृत साहित्य
SNM-204

क्रेडिट–4

चतुर्थ प्रश्न पत्र – (निबंध एवं व्याकरण) **पूर्णाङ्क–100**

1.	निबन्ध (संस्कृत में)	50 अङ्क
2.	अनुवाद (हिन्दी एंव संस्कृत)	20 अङ्क
3.	अपठित ग़द्यांश एवं पद्यांश (हिन्दी में अनुवाद)	30 अङ्क

अनुशंसित पुस्तकें–

1	सरल संस्कृत निबन्ध	डॉ0 दयाशंकर शास्त्री
2	संस्कृत निबन्धादर्श	डॉ0 राममूर्ति शर्मा
3	संस्कृत साहित्य की रूपरेखा	पाण्डेय एवं व्यास